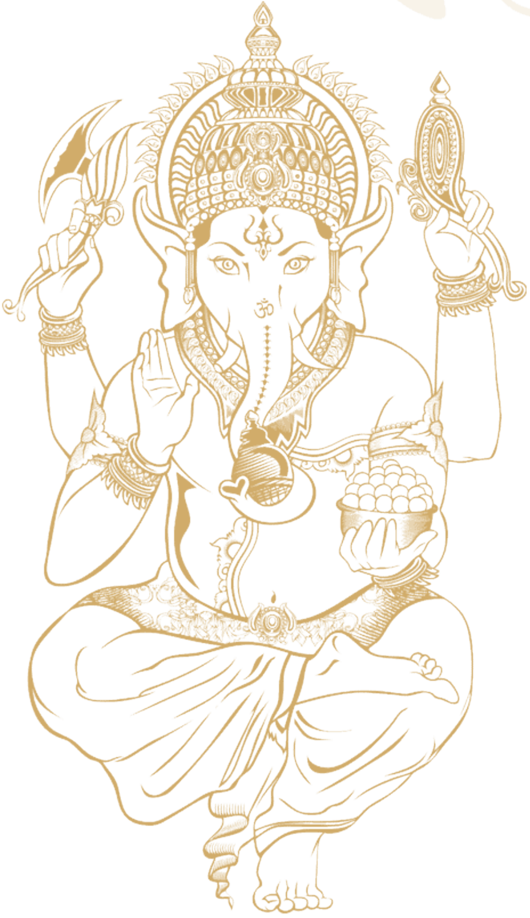

Rachna

21 Sep 1986

10:30 AM

Ghaziabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 120996803

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21/09/1986**
दिन	रविवार
जन्म समय	**10:30:00 घंटे**
इष्ट	10:55:05 घटी
स्थान	**Ghaziabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:09:44 घंटे
वेलान्तर	00:06:45 घंटे
साम्पातिक काल	10:08:52 घंटे
सूर्योदय	06:07:57 घंटे
सूर्यास्त	18:18:33 घंटे
दिनमान	12:10:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	04:15:10 कन्या
लग्न के अंश	00:13:41 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्याघात
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चो-चोखी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चिक	00:13:41	306:45:08	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	04:15:10	00:58:38	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	सम राशि
चंद्र			मेष	09:45:26	12:27:59	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			धनु	27:28:40	00:26:23	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
बुध		अ	कन्या	16:38:43	01:38:14	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
गुरु	व		कुंभ	22:50:24	00:07:39	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
शुक्र			तुला	17:09:42	00:41:07	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि			वृश्चिक	10:59:02	00:04:05	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	शत्रु राशि
राहु			मीन	27:16:24	00:01:02	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
केतु			कन्या	27:16:24	00:01:02	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चिक	24:56:26	00:01:14	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
नेप			धनु	09:22:49	00:00:13	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	12:06:12	00:02:01	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			सिंह	06:27:40	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:11

लग्न-चलित

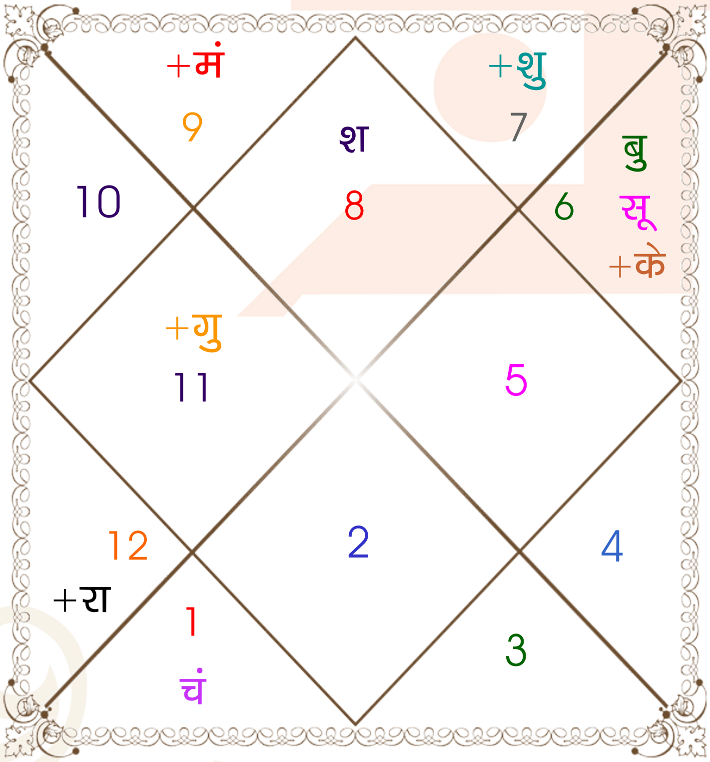

चन्द्र कुंडली

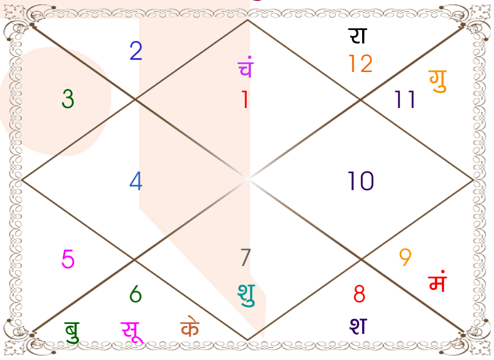

नवमांश कुंडली

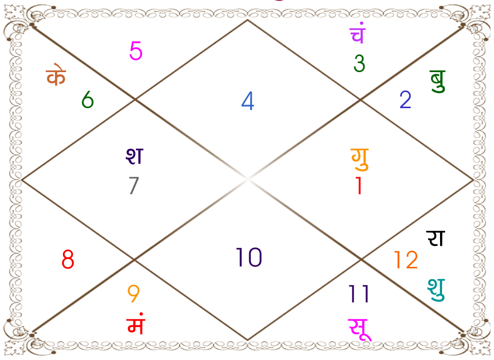

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 10 मास 16 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
21/09/1986	**07/08/1988**	**07/08/2008**	**07/08/2014**	**07/08/2024**
07/08/1988	**07/08/2008**	**07/08/2014**	**07/08/2024**	**07/08/2031**
00/00/0000	शुक्र 07/12/1991	सूर्य 24/11/2008	चंद्र 08/06/2015	मंगल 03/01/2025
00/00/0000	सूर्य 06/12/1992	चंद्र 26/05/2009	मंगल 07/01/2016	राहु 21/01/2026
00/00/0000	चंद्र 07/08/1994	मंगल 01/10/2009	राहु 07/07/2017	गुरु 28/12/2026
00/00/0000	मंगल 07/10/1995	राहु 25/08/2010	गुरु 06/11/2018	शनि 06/02/2028
00/00/0000	राहु 07/10/1998	गुरु 14/06/2011	शनि 07/06/2020	बुध 02/02/2029
00/00/0000	गुरु 07/06/2001	शनि 26/05/2012	बुध 06/11/2021	केतु 01/07/2029
21/09/1986	शनि 07/08/2004	बुध 01/04/2013	केतु 07/06/2022	शुक्र 01/09/2030
शनि 10/08/1987	बुध 08/06/2007	केतु 07/08/2013	शुक्र 06/02/2024	सूर्य 06/01/2031
बुध 07/08/1988	केतु 07/08/2008	शुक्र 07/08/2014	सूर्य 07/08/2024	चंद्र 07/08/2031

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
07/08/2031	**07/08/2049**	**07/08/2065**	**07/08/2084**	**08/08/2101**
07/08/2049	**07/08/2065**	**07/08/2084**	**08/08/2101**	**00/00/0000**
राहु 20/04/2034	गुरु 25/09/2051	शनि 10/08/2068	बुध 03/01/2087	केतु 04/01/2102
गुरु 12/09/2036	शनि 07/04/2054	बुध 20/04/2071	केतु 01/01/2088	शुक्र 06/03/2103
शनि 20/07/2039	बुध 13/07/2056	केतु 29/05/2072	शुक्र 31/10/2090	सूर्य 12/07/2103
बुध 06/02/2042	केतु 19/06/2057	शुक्र 29/07/2075	सूर्य 07/09/2091	चंद्र 10/02/2104
केतु 24/02/2043	शुक्र 18/02/2060	सूर्य 10/07/2076	चंद्र 05/02/2093	मंगल 08/07/2104
शुक्र 24/02/2046	सूर्य 06/12/2060	चंद्र 09/02/2078	मंगल 02/02/2094	राहु 27/07/2105
सूर्य 19/01/2047	चंद्र 07/04/2062	मंगल 20/03/2079	राहु 22/08/2096	गुरु 03/07/2106
चंद्र 19/07/2048	मंगल 14/03/2063	राहु 24/01/2082	गुरु 28/11/2098	शनि 22/09/2106
मंगल 07/08/2049	राहु 07/08/2065	गुरु 07/08/2084	शनि 08/08/2101	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 10 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकती हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकती हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगी जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखती हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझती हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगी। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगी। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगी। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करती रही तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करती हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहती है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपने पति के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगी। यद्यपि आप अपने पति के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगी। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगी। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करती हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन साथी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों का लड़का आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगा।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगी। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहती हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करती हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होती हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटी हो जाएंगी। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति की होंगी।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगी। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकती हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।